रजिस्टर्ड/सील्ड

उत्तर प्रदेश शासन
कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2
संख्या-1113/2025/3039/22-2-2023-17(596)/2025
लखनऊ: दिनांक: 02 सितम्बर, 2025

आदेश

उत्तर प्रदेश के श्री राज्यपाल, भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला कारागार, अयोध्या में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी कृष्ण प्रसाद उर्फ कृष्णा (बन्दी संख्या-7817/2016) पुत्र श्री राम राज, निवासी ग्राम-मान का पुरवा, मौजा-पाराताजपुर, थाना-इनायतनगर, जनपद-अयोध्या, जिन्हें सत्र परीक्षण संख्या-275/1981, भा0द0वि0 की धारा-302/149, 147, 201 के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश-05, फैजाबाद के दण्डादेश दिनांक 04.03.1982 को आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा० उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ लखनऊ के आदेश दिनांक 14.12.2015 द्वारा सजा को यथावत रखा गया, बन्दी द्वारा दिनांक 16.09.2022 तक अपरिहार 06 वर्ष, 00 माह, 23 दिन तथा सपरिहार 06 वर्ष, 10 माह, 17 दिन की सजा भोगी गयी है, सन्तोषजनक जेल आचरण तथा दयायाचिका समिति द्वारा की गयी संस्तुति के दृष्टिगत शेष सजा का परिहार करते है तथा यह आदेश देते हैं कि यदि उक्त बंदी को किसी अन्य वाद में निरूद्ध रखा जाना वांछित न हो तो उसे अपनी शेष दण्डावधि में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिये जिला मजिस्ट्रेट, अयोध्या के संतोषानुसार दो जमानतें तथा उतनी ही धनराशि का एक जाती मुचलका प्रस्तुत करने पर बन्दी को कारागार से मुक्त कर दिया जाय।

सूर्य प्रकाश मिश्र
उप सचिव।

संख्या-1113/2025/3039(1)/22-2-2023 तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक, कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उ0प्र0 लखनऊ।
2- जिला मजिस्ट्रेट, अयोध्या।
3- पुलिस अधीक्षक, अयोध्या।
4- अधीक्षक, जिला कारागार, अयोध्या।
5- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
6- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
7- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उ0प्र0 शासन।
8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

1- यह शासनादेशइलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.inसे सत्यापित की जा सकती है ।